समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

मुंबई मे भूमिगत रेलवे... यह परियोजना ₹3000000000 की कैसे है ?

Publisher

Published on 07 May 2025

हाल ही मे मुंबई मे भूमिगत मेट्रो शुरू की गई है। इस बीच, मध्य रेलवे की भी ऐसी ही योजना है।

राज्य की वित्तीय राजधानी मुंबई में कुछ महीने पहले भूमिगत मेट्रो लाइन का उद्घाटन किया गया था। हालाँकि, इस बात की प्रबल संभावना है कि मुंबई को जल्द ही अपनी पहली भूमिगत लोकल ट्रेन मिल जाएगी। मध्य रेलवे ने मुंबई में उपनगरीय रेल नेटवर्क का विस्तार और आधुनिकीकरण करने का निर्णय लिया है। बताया गया है कि मध्य रेलवे दक्षिण मुंबई के परेल या करी रोड से मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस तक पांचवीं और छठी लाइन बनाने की योजना बना रही है और ये लाइनें भूमिगत बनाई जाएंगी।

यह परियोजना दो चरणों में बनाई जाएगी।
इस परियोजना के पहले चरण पर काम चल रहा है, जो पांचवीं और छठी लाइन का हिस्सा है। यह चरण कुर्ला से परेल तक 10.1 किलोमीटर लंबा है। हालाँकि, इस परियोजना के दूसरे चरण में बड़े पैमाने पर निर्माण शामिल है, जो कुर्ला-परेल-सीएसएमटी मार्ग पर होगा। दूसरे चरण का कार्य परेल से सीएसएमटी तक 7.4 किलोमीटर लंबे मार्ग पर किया जाएगा। यह परियोजना मुंबई में उपनगरीय ट्रेनों में बढ़ते यातायात और यात्रियों की संख्या के कारण उत्पन्न तनाव को कम करने के लिए कार्यान्वित की जा रही है।

...इसलिए भूमिगत निर्माण का प्रस्ताव
प्रशासन ने विश्वास जताया है कि यदि इस मार्ग का निर्माण भूमिगत तकनीक का उपयोग करके किया जाता है, तो इस माध्यम से मध्य रेलवे का निर्माण नए युग के अनुरूप होगा। भूमिगत मेट्रो बनाने के लिए जिस फार्मूले का इस्तेमाल किया गया है, उसी फार्मूले का इस्तेमाल करते हुए भूमिगत ट्रेन बनाने का प्रयास चल रहा है। बताया जा रहा है कि मुंबई जैसे शहर में तेजी से हो रहे विकास को देखते हुए इस भूमिगत संरचना के निर्माण का प्रस्ताव विचाराधीन है।

अंतिम अध्ययन के बाद निर्णय

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, “परेल और सीएसएमटी स्टेशनों के पास बोरिंग मशीन से सुरंग खोदने के लिए हमारे पास सभी अनुमतियां और जमीन उपलब्ध है। अंतिम अध्ययन के बाद निर्णय लिया जाएगा और साइट का चयन किया जाएगा। एक बार भूमिगत मार्ग मिल जाने के बाद, हम सीएसएमटी पर समाप्त होने वाली सुरंग का डिजाइन तैयार करेंगे और काम शुरू करेंगे।”

3,000 करोड़ रुपये का व्यय

मुंबई रेलवे विकास निगम और मध्य रेलवे ने इस संबंध में प्रारंभिक चर्चा की है। हालाँकि, इस संबंध में अंतिम निर्णय तकनीकी और आर्थिक मानदंडों से संबंधित अध्ययन रिपोर्ट पर निर्भर करेगा। यदि इस मार्ग के लिए अनुमति मिल जाती है तो इसके निर्माण पर 3,000 करोड़ रुपये की लागत आने की उम्मीद है। अभी भी इस बात पर स्पष्टता नहीं है कि यह काम वास्तव में कौन करेगा। इस परियोजना पर अंतिम निर्णय विस्तृत रिपोर्ट के बाद लिया जाएगा। हालांकि आगे कई चुनौतियां हैं, लेकिन अधिकारियों को विश्वास है कि यह निर्णय परियोजना को मुंबई की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मदद करेगा।

कैग ने लगाया आरोप

अप्रैल में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने भारतीय रेलवे की आलोचना करते हुए कहा था कि मध्य रेलवे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और कुर्ला के बीच पांचवीं और छठी लाइन के काम में देरी कर रही है।

17 साल बाद भी परियोजना अधूरी

यह परियोजना 2008 में शुरू हुई थी और 17 साल बाद भी पूरी नहीं हो सकी है। इस परियोजना को दो चरणों में विभाजित किया गया है तथा परेल और कुर्ला के बीच पहले चरण का कार्य वर्तमान में चल रहा है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.